License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

यिर्मयाह 1:1

यिर्मयाह ने किस प्रकार का कार्य किया?

यिर्मयाह एक याजक थे।

यिर्मयाह 1:2

जब यहोवा का वचन पहली बार यिर्मयाह के पास पहुँचा, तब राजा कौन थे?

राजा योशिय्याह के राज्य के दिनों में यहोवा का वचन यिर्मयाह के पास पहुँचा।

यिर्मयाह 1:5

यहोवा ने यिर्मयाह को भविष्यद्वक्ता के रूप में कब ठहराया?

उत्पन्न होने से पहले ही यहोवा ने यिर्मयाह को ठहराया।

यिर्मयाह 1:6

यिर्मयाह ने क्यों कहा कि वे योग्य नहीं थे?

उन्होंने कहा कि वह कम उम्र के थे।

यिर्मयाह 1:7

यहोवा ने यिर्मयाह को क्या कहने का आज्ञा दिया?

यहोवा ने उन्हें वही कहने का आज्ञा दिया जो यहोवा ने उन्हें कहने के लिए कहा था।

यिर्मयाह 1:8

यिर्मयाह को क्यों भयभीत नहीं होना चाहिए?

उन्हें भयभीत नहीं होना चाहिए क्योंकि यहोवा उनके साथ थे और उन्हें छुड़ाने वाले थे।

यिर्मयाह 1:9

यहोवा ने यिर्मयाह के मुँह में क्या डाला?

यहोवा ने अपना वचन यिर्मयाह के मुँह में डाला।

यिर्मयाह 1:11

यिर्मयाह ने क्या देखा था?

उन्होंने बादाम की एक टहनी देखी।

यिर्मयाह 1:12

यहोवा अपने वचन के साथ क्या करेंगे?

वह इसे पूर्ण करेंगे।

यिर्मयाह 1:14

यिर्मयाह ने जो बर्तन देखा, उसका क्या अर्थ था?

बर्तन आने वाली विपत्ति का प्रतीक था।

यिर्मयाह 1:15

जब यहोवा बुलाएँगे, तो उत्तरी राज्य की सभी गोत्र क्या करेंगी?

वे आएंगे और यरूशलेम तथा यहूदा के चारों ओर अपना-अपना सिंहासन लगाएँगे।

यिर्मयाह 1:16

यहोवा यरूशलेम और यहूदा के खिलाफ दण्ड की आज्ञा क्यों देंगे?

वह उनके खिलाफ दण्ड की आज्ञा इसलिए देंगे क्योंकि उन्होंने उन्हें त्याग दिया है।

यिर्मयाह 1:19

यिर्मयाह के बोलने के बाद लोग क्या करेंगे?

लोग उनके विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 2:2

यहोवा यरूशलेम के लोगों के बारे में क्या स्मरण करते हैं?

यहोवा स्मरण करते हैं कि यरूशलेम के लोग अतीत में उनसे प्रेम करते थे।

यिर्मयाह 2:3

इस्राएल के लोगों का भविष्य क्या होगा?

विपत्ति उन पर आ पड़ेंगे।

यिर्मयाह 2:4–5

यहोवा चाहते हैं कि याकूब का घराना उन्हें क्या बताए?

यहोवा चाहते हैं कि याकूब का घराना उन्हें बताए कि उन्होंने उनमें कौन सी कुटिलता पाई।

यिर्मयाह 2:7

जब परमेश्वर ने लोगों को कर्मेल की भूमि पर लाया, तब उन्होंने क्या किया?

उन्होंने भूमि को अशुद्ध कर दिया।

यिर्मयाह 2:8

भविष्यद्वक्ताओं ने किसके नाम से भविष्यद्वाणी की?

भविष्यद्वक्ताओं ने बाल देवता के नाम से भविष्यद्वाणी की।

यिर्मयाह 2:11

यहोवा के प्रजा ने अपनी महिमा के बदले क्या स्वीकार किया है?

यहोवा के प्रजा ने अपनी महिमा को निकम्मी वस्तु से बदल दिया है।

यिर्मयाह 2:13

यहोवा के लोगों ने कौन-कौन से दो बुरे काम किए हैं?

उनके लोगों ने जीवन के जल के सोते को त्याग दिया है और हौद बना लिए हैं।

यिर्मयाह 2:15

इस्राएल के शत्रुओं ने इस्राएल के साथ क्या किया?

उन्होंने इस्राएलियों को दास बना लिया।

यिर्मयाह 2:15 (#2)

इस्राएल के नगरों का क्या हुआ?

उनके नगरों को ऐसा उजाड़ दिया कि उनमें कोई बसनेवाला ही न रहा।

यिर्मयाह 2:20

यहोवा ने जब उनका जूआ तोड़ा और उनके बन्धन खोल दिए, तब लोगों ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'मैं सेवा न करूँगी।'

यिर्मयाह 2:23–24

यहोवा कहते हैं कि लोग किस पशु के समान हैं?

वे कहते हैं कि वे ऊँटनी और जंगली गदही के समान हैं।

यिर्मयाह 2:26–28

इस्राएल का घराना किस पाप से लज्जित होगा?

वे काठ और पत्थरों की पूजा करने में लज्जित होंगे।

यिर्मयाह 2:29

यहोवा की वाणी क्या है?

तुम सभी ने मुझसे बलवा किया है।

यिर्मयाह 2:30

यहोवा क्यों कहते हैं कि उन्होंने लोगों को व्यर्थ ताड़ना दिया है?

उन्होंने उन्हें ताड़ना दिया है क्योंकि वे कुछ भी नहीं मानते हैं।

यिर्मयाह 2:34

लोगों ने निर्दोष और दरिद्र के साथ क्या किया है?

उन्होंने निर्दोषों और दरिद्रों को मार डाला है।

यिर्मयाह 2:35

लोग क्यों सोचते हैं कि यहोवा का क्रोध उनसे दूर हट जाएगा?

लोग सोचते हैं कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया है।

यिर्मयाह 3:1

भविष्यद्वक्ता लोगों की तुलना किस प्रकार की स्त्री से करते हैं?

वह उनकी तुलना उस महिला से करते हैं जिसने अपने पति को त्याग दिया है।

यिर्मयाह 3:3–5

वर्षा क्यों नहीं आई?

वर्षा नहीं आई क्योंकि लोग अपने पापों पर लज्जित होना ही नहीं चाहते थे।

यिर्मयाह 3:6

इस्राएल ने ऊँचे पहाड़ों पर और सब हरे पेड़ों के तले क्या किया था?

इस्राएल ने मूर्तियों की पूजा करके एक व्यभिचारिणी स्त्री के समान व्यभिचार किया है।

यिर्मयाह 3:8

परमेश्वर ने इस्राएल के साथ क्या किया था?

उन्होंने उन्हें त्यागपत्र दे दिया।

यिर्मयाह 3:8–10

यहोवा द्वारा इस्राएल को त्यागपत्र देने के बाद यहूदा ने क्या किया?

यहूदा ने वही कार्य किए जो इस्राएल ने किए थे।

यिर्मयाह 3:12

यहोवा इस्राएल को क्या करने के लिए बुलाते हैं?

वह उन्हें लौट आने के लिए बुलाते हैं।

यिर्मयाह 3:13

जब लोग वापस लौटें, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें अपने अधर्म को मान लेना चाहिए।

यिर्मयाह 3:15

यदि वे लौटते हैं तो यहोवा उन्हें क्या प्रदान करेंगे?

वह उन्हें अपने मन के अनुकूल एक चरवाहा प्रदान करेंगे।

यिर्मयाह 3:16

वे वाचा के सन्दूक के विषय में क्या विचार करेंगे?

वे अब इस विषय पर उनके मन में विचार नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 3:17

यरूशलेम में क्या घटित होगा?

सब जातियाँ यरूशलेम में इकट्ठे होंगे।

यिर्मयाह 3:18

क्या यहूदा और इस्राएल के घराने अब भी शत्रु बने रहेंगे?

नहीं, वे दोनों मिलकर आएंगे।

यिर्मयाह 3:19

यहोवा लोगों का सम्मान कैसे करना चाहते हैं?

वह उन्हें उसी तरह आदर देना चाहते हैं जैसे एक पिता अपने पुत्र का सम्मान करता है।

यिर्मयाह 3:21

मुँण्ड़े टीलों पर कौन सी शब्द सुनाई दे रहा है?

मुँण्ड़े टीलों पर से इस्राएलियों के रोने और गिड़गिड़ाने का शब्द सुनाई दे रहा है।

यिर्मयाह 3:24

पुरखाओं ने जिन चीजों के लिए परिश्रम किया, उनका क्या हुआ?

मूर्तियों ने उन वस्तुओं का उपभोग किया है जिनके लिए पुरखाओं ने परिश्रम किया था।

यिर्मयाह 3:25

लोगों और उनके पुरखाओं ने क्या किया है?

उन्होंने अपने परमेश्वर यहोवा की बातों को नहीं माना है।

यिर्मयाह 4:1

यदि इस्राएल यहोवा के पास लौटते हैं तो क्या होगा?

जातियाँ यहोवा की आशीष मांगेंगे।

यिर्मयाह 4:4–6

लोगों की बुरे कामों के कारण क्या परिणाम होंगे?

यहोवा का क्रोध उन पर भड़केगा और उत्तर की दिशा से विपत्ति लाएंगे।

यिर्मयाह 4:7

सिंह लोगों के साथ क्या करेगा?

वह उनके नगरों को सुनसान कर देगा।

यिर्मयाह 4:8

लोग स्वयं को टाट में क्यों बाँधेंगे?

वे ऐसा इसलिए करते थे ताकि यह दिखा सकें कि उन्हें अपने पापों के लिए पश्चाताप है।

यिर्मयाह 4:9

यिर्मयाह क्यों सोचते हैं कि यहोवा ने लोगों को भ्रमित किया है?

यहोवा ने लोगों से शांति का वादा किया है, लेकिन कोई उन पर आक्रमण कर रहा है।

यिर्मयाह 4:14

यरूशलेम के लोग कैसे उद्धार प्राप्त कर सकते हैं?

उन्हें अपना हृदय बुराई से धोना चाहिए।

यिर्मयाह 4:16

आक्रमणकारी दूर देश से क्यों आ रहे हैं?

वे आ रहे हैं क्योंकि यहूदा ने यहोवा के विरुद्ध बलवा किया है।

यिर्मयाह 4:19

यिर्मयाह दुखी क्यों हैं?

वे युद्ध की ललकार सुनते हैं।

यिर्मयाह 4:22

लोगों की मूर्खता क्या है?

वे यहोवा को नहीं जानते हैं।

यिर्मयाह 4:26

यिर्मयाह ने जो देश देखी थी, वह खण्डहर क्यों थी?

यहोवा के भड़के हुए प्रकोप के कारण देश खण्डहर थी।

यिर्मयाह 4:29

हर नगर के सारे लोग क्या करेंगे?

वे सवारों और धनुर्धारियों से बचकर भागे जाते हैं और नगर को निर्जन छोड़ देंगे।

यिर्मयाह 4:30

लाल और सोने के आभूषण किस प्रकार के लोग पहनते हैं?

धनवान लोग इस प्रकार के वस्त्र पहनते हैं।

यिर्मयाह 4:31

जो अब धनी हैं, उनके साथ क्या होगा?

उनकी हत्या कर दी जाएगी।

यिर्मयाह 5:1

परमेश्वर यरूशलेम को कब क्षमा करेंगे?

यदि भविष्यद्वक्ता कोई ऐसा व्यक्ति ढूंढ सकें जो न्याय से काम करे और सच्चाई का खोजी हो, तो परमेश्वर यरूशलेम को क्षमा करेंगे।

यिर्मयाह 5:3

यद्यपि परमेश्वर ने लोगों को पूरी तरह से पराजित कर दिया है, वे अब भी क्या करते हैं?

वे अभी भी पश्चाताप करने से इन्कार कर रहे हैं।

यिर्मयाह 5:4

भविष्यद्वक्ता क्यों कहते हैं कि ये कंगाल और मूर्ख ही हैं?

वे यहोवा का मार्ग और अपने परमेश्वर का नियम नहीं जानते।

यिर्मयाह 5:5

क्या बड़े लोग यहोवा के मार्गों को जानते हैं?

नहीं, उन्होंने उनके खिलाफ बलवा किया है।

यिर्मयाह 5:6

यिर्मयाह ने लोगों के अपराधों और विश्वासघात के बारे में क्या कहा?

यिर्मयाह ने कहा कि उनके अपराध बढ़ते जा रहे थे और उनकी विश्वासघात की क्रियाएं असीमित थीं।

यिर्मयाह 5:12

लोग परमेश्वर के बारे में क्या कहते हैं?

उन्होंने कहा है कि वह वास्तविक नहीं हैं।

यिर्मयाह 5:15

यहोवा इस्राएल के घराने के साथ क्या करने वाले हैं?

वह उनके विरुद्ध दूर देश से एक जाति को लाने वाले हैं।

यिर्मयाह 5:17

दुश्मन इस्राएलियों के साथ क्या करेंगे?

दुश्मन इस्राएलियों के बेटे-बेटियों को मार डालेंगे और उनके भोजनवस्तुएँ खा लेंगे।

यिर्मयाह 5:19

परमेश्वर इस्राएल और यहूदा को क्यों हानि पहुँचाएंगे?

वह उन्हें हानि पहुँचाएंगे क्योंकि उन्होंने यहोवा को त्याग दिया और दूसरे देवताओं की सेवा की है।

यिर्मयाह 5:21

मूर्ख लोगों की आँखें और कान क्या करते हैं?

वे कुछ भी नहीं करते हैं।

यिर्मयाह 5:23

यहोवा उन लोगों के लिए क्या करना चाहते हैं जो उनसे भय रखते हैं?

वह चाहते हैं कि वर्षा सही समय पर आए ताकि फसल अच्छी हो सके।

यिर्मयाह 5:27–28

क्या यहोवा के लोगों में धनी दुष्ट हैं या कंगाल?

वे धनी हैं।

यिर्मयाह 5:29

यहोवा दुष्टों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

वह उन्हें दण्ड देंगे।

यिर्मयाह 5:31

प्रजा भविष्यद्वक्ताओं और याजकों के कार्यों के प्रति क्या अनुभव करते हैं?

प्रजा को यह भाता है।

यिर्मयाह 6:2

बिन्यामीन के लोगों को यरूशलेम छोड़कर सुरक्षा क्यों तलाशनी चाहिए?

यहोवा यरूशलेम का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 6:4–5

दुश्मन कब चढ़ाई करेंगे?

वे दोपहर और रात में चढ़ाई करेंगे।

यिर्मयाह 6:6

यहोवा क्यों चाहते हैं कि दुश्मन यरूशलेम पर चढ़ाई करें?

वह चाहते हैं कि वे चढ़ाई करें क्योंकि नगर अत्याचार और दुष्टता से भरा हुआ है।

यिर्मयाह 6:8

यदि यरूशलेम अनुशासन को स्वीकार नहीं करता है तो क्या परिणाम होंगे?

यहोवा यरूशलेम का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 6:9

यहोवा इस्राएलियों को चेतावनी क्यों नहीं दे सकते?

वे ध्यान देने में सक्षम नहीं हैं।

यिर्मयाह 6:12

घर और खेत और स्त्रियों का क्या होगा?

घर और खेत और स्त्रियाँ सब दूसरों की हो जाएँगीं।

यिर्मयाह 6:15

जब लोगों ने घृणित काम किए, तो उन्हें कैसा महसूस हुआ?

उन्हें बिल्कुल भी लज्जा नहीं थी।

यिर्मयाह 6:19

यहोवा इन लोगों पर विपत्ति क्यों लाने वाले हैं?

उन्होंने उनके वचन या उनके शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं लगाया।

यिर्मयाह 6:20

यहोवा के लिए लोबान और सुगन्धित नरकट का क्या अर्थ है?

उनका उसके लिए कोई अर्थ नहीं है। उन्हें वह प्रसन्न नहीं करता है।

यिर्मयाह 6:21

ठोकर लोगों के लिए क्या करेगी?

यह उन्हें नाश की ओर ले जाएगा।

यिर्मयाह 6:22

किस प्रकार के लोग आ रहे हैं?

क्रूर और निर्दयी लोग आ रहे हैं।

यिर्मयाह 6:26

प्रजा को अपने लिए एक शोकमय विलाप क्यों करना चाहिए?

उन्हें यह करना चाहिए क्योंकि शत्रु उनके लोगों को नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 6:27

यिर्मयाह परमेश्वर के लोगों को कैसे शुद्ध करेंगे?

वह उनके चाल परखेंगे और जान लेंगे।

यिर्मयाह 6:28

लोग कैसे हैं?

वे तांबा के समान जिद्दी हैं और लोहे के समान कठोर हैं।

यिर्मयाह 7:3–4

यदि लोग अपनी चाल और काम को सुधार लेंगे तो यहोवा उनके लिए क्या करने का वादा करते हैं?

वह उन्हें उस स्थान पर बसे रहने की अनुमति देते रहेंगे।

यिर्मयाह 7:5–7

यहोवा के आज्ञा के अनुसार लोगों को भूमि में निवास करने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें अपनी-अपनी चाल और काम को न्याय का पालन करके उत्तम बनाना चाहिए।

यिर्मयाह 7:5–7 (#2)

यदि लोग चाहते हैं कि यहोवा उन्हें देश में रहने दें, तो उन्हें क्या नहीं करना चाहिए?

उन्हें परदेशी और अनाथ और विधवा पर अंधेर नहीं करना चाहिए, निर्दोष की हत्या नहीं करनी चाहिए, और दूसरे देवताओं के पीछे नहीं चलना चाहिए।

यिर्मयाह 7:10

लोग उन कामों को करने के बाद क्या कहते हैं जिनसे परमेश्वर घृणा करते हैं?

वे भवन में जाते हैं और कहते हैं कि वे छूट गए हैं।

यिर्मयाह 7:12–14

यहोवा क्यों चाहते थे कि लोग शीलो के बारे में सोचें?

वह चाहते थे कि वे याद रखें कि वह उनके साथ वही करेंगे जो उन्होंने शीलो के साथ किया था, क्योंकि वे उन्हीं बुराई के दोषी थे जिनके शीलो के लोग दोषी थे।

यिर्मयाह 7:16

यहोवा यिर्मयाह की विनती को क्यों नहीं सुनेंगे?

वह नहीं सुनेंगे क्योंकि उन्होंने इस्राएलियों को नाश करने का निर्णय लिया है।

यिर्मयाह 7:18

यहोवा लोगों का नाश क्यों करेंगे?

क्योंकि वे दूसरे देवताओं की आराधना कर रहे हैं।

यिर्मयाह 7:23

जब लोग मिस्र छोड़ रहे थे, तब यहोवा ने उन्हें क्या आज्ञा दिए?

उन्होंने उन्हें अपनी वचन सुनने का आज्ञा दिया।

यिर्मयाह 7:26

जब यहोवा ने भविष्यद्वक्ता भेजे, तो लोगों ने क्या किया?

उन्होंने न तो सुना और न ही अपना कान लगाया। उन्होंने बुराइयाँ की हैं।

यिर्मयाह 7:28

भविष्यद्वक्ता को क्या कहना चाहिए?

उन्हें उनसे कहना है कि यह वही जाति है जो अपने परमेश्वर यहोवा की नहीं सुनती।

यिर्मयाह 7:29

यहोवा यिर्मयाह से अपने बाल मुँडवाने के लिए क्यों कहते हैं?

यिर्मयाह को यह दिखाना था कि यहोवा ने इस्राएलियों को निकम्मा जानकर त्याग दिया है।

यिर्मयाह 7:31

लोगों ने हिन्नोमवंशियों की तोपेत नामक ऊँचे स्थान क्यों बनाया?

उन्होंने इसे इसलिए बनाया ताकि वे वहाँ अपने बेटे-बेटियों को आग में अर्पित कर सकें।

यिर्मयाह 7:33

इन लोगों की लोथों का क्या होगा?

आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं का आहार बनेंगे।

यिर्मयाह 7:34

यहोवा यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों के साथ क्या करेंगे?

वह इसे ऐसा बना देंगे कि वहाँ न तो हर्ष और आनन्द का शब्द सुन पड़ेगा।

यिर्मयाह 8:1

लोगों की हड्डियों का क्या होगा?

लोग हड्डियों को कब्रों में से निकालकर फैला देंगे।

यिर्मयाह 8:3

क्या जो लोग जीवित हैं, वे जीवन चाहेंगे या मृत्यु को चाहेंगे?

वे जीवन से मृत्यु ही को अधिक चाहेंगे।

यिर्मयाह 8:4

जो लोग भटक जाते हैं, वे क्या प्रयास करते हैं?

वे लौटने का मार्ग खोजने का प्रयास करते हैं।

यिर्मयाह 8:6

लोग अपनी बुराई के बारे में कैसा अनुभव करते थे?

कोई भी अपनी बुराई के लिए पछताते नहीं थे।

यिर्मयाह 8:7

यहोवा के प्रजा पक्षियों के समान क्यों नहीं होते?

पक्षियों को पता होता है कि उन्हें क्या करना चाहिए, लेकिन उनके प्रजा यहोवा की नियम नहीं जानती।

यिर्मयाह 8:8

शास्त्रियों ने क्या किया है?

शास्त्रियों ने झूठा विवरण लिखकर उसको झूठ बना दिया है।

यिर्मयाह 8:10

यहोवा उनकी स्त्रियों और उनके खेत के साथ क्या करेंगे?

वह उनकी स्त्रियों और उनके खेत को दूसरे अधिकारियों के वश में कर देगा।

यिर्मयाह 8:12

क्या लोग घृणित काम करके लज्जित हुए?

नहीं, उन्हें लज्जा नहीं आई।

यिर्मयाह 8:13

वे लज्जित नहीं थे, इसलिए यहोवा क्या करेंगे?

वह उनके शत्रुओं के द्वारा उन सभी का अन्त कर देंगे।

यिर्मयाह 8:14

लोग क्या करने का निर्णय लेते हैं?

वे नगरों में जाने और नाश होने का निर्णय लेते हैं।

यिर्मयाह 8:16

यहोवा के बलवन्त घोड़े क्या करेंगे?

वे आएंगे और सारा देश, इसकी संपत्ति, नगर और इसके निवासियों का नाश करेंगे।

यिर्मयाह 8:17

यहोवा उन्हें हानि पहुँचाने के लिए क्या भेज रहे हैं?

वह उन्हें हानि पहुँचाने के लिए साँप और नाग भेज रहे हैं।

यिर्मयाह 8:18

जो लोग चिल्ला रहे हैं, वे कहाँ पर हैं?

वे एक दूर के देश में हैं।

यिर्मयाह 8:19

यहोवा कहाँ हैं?

यहोवा सिय्योन में विराजमान हैं।

यिर्मयाह 9:1

भविष्यद्वक्ता क्यों रोना चाहते हैं?

वह रोना चाहते हैं क्योंकि उनके इतने सारे लोग मारे गए हैं।

यिर्मयाह 9:1 (#2)

यहोवा इस्राएलियों को क्यों दण्ड देंगे?

वह इस्राएलियों को दण्ड देंगे क्योंकि उनका खतना केवल शरीर में हुआ है, हृदय में नहीं।

यिर्मयाह 9:2

वे अपने लोगों को क्यों छोड़ना चाहते हैं?

वह उन्हें छोड़ना चाहते हैं क्योंकि वे व्यभिचारी और विश्वासघाती हैं।

यिर्मयाह 9:3

पापी लोग क्या कहते हैं?

वे झूठ बोलते हैं।

यिर्मयाह 9:4

उन्हें अपने पड़ोसी और अपने भाई से चौकस क्यों रहना चाहिए?

उन्हें उनके खिलाफ चौकस रहना चाहिए क्योंकि हर भाई और पड़ोसी विश्वासघाती है।

यिर्मयाह 9:5

लोग किस में परिश्रम करते हैं?

वे कुटिलता ही में परिश्रम करते हैं।

यिर्मयाह 9:8

यहोवा अपने लोगों को क्यों परखना चाहते हैंहैं?

वह उन्हें परखना चाहते हैं क्योंकि वे अपने पड़ोसियों से छल की बातें बोलते हैं।

यिर्मयाह 9:10

भविष्यद्वक्ता क्या गाएंगे?

वे पहाड़ों और जंगल की चराइयों के लिए शोक और विलाप के गीत गाएंगे।

यिर्मयाह 9:11

यहोवा यरूशलेम और यहूदा के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें खण्डहर बना देंगे।

यिर्मयाह 9:12

देश का नाश होने के बाद वह कैसी होगी?

यह जंगल के समान होगा, और उसमें से होकर कोई नहीं गुजरेगा।

यिर्मयाह 9:13

लोगों ने यहोवा को अप्रसन्न करने के लिए क्या किया है?

उन्होंने उनके व्यवस्था को छोड़ दिया है और वे उनकी नहीं मानते।

यिर्मयाह 9:16

यहोवा कहते हैं कि वे इस्राएलियों के साथ क्या करेंगे?

वह उन्हें उतना ही दुखी कर देंगे जितना कि वे लोग होते हैं जिनके पास खाने और पीने के लिए केवल कड़वी वस्तु होती हैं। फिर वह उन्हें उनके घरों से तितर-बितर कर देंगे और उन्हें मरवा देंगे।

यिर्मयाह 9:17–18

जो स्त्रियाँ विलाप करने में कुशल हैं, उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें शोक का गीत गाने चाहिए ताकि लोग अपनी आँसू बहा सकें।

यिर्मयाह 9:19

सिय्योन में शोक करने वाले लोग कैसा अनुभव करते हैं?

वे लज्जा में पड़ गए हैं।

यिर्मयाह 9:20

स्त्रियों को अपनी-अपनी बेटियों को क्या सिखाना चाहिए?

उन्हें अपनी-अपनी बेटियों को शोक का गीत सिखाने चाहिए।

यिर्मयाह 9:21

भविष्यद्वक्ता ने किसके मरने की बात कही है?

बच्चे और जवान मरने वाले हैं।

यिर्मयाह 9:22

लोथें खाद और पुलियों के समान क्यों होंगी?

उन्हें उठानेवाला कोई नहीं होगा।

यिर्मयाह 9:23

लोगों को किस बात पर घमण्ड करना चाहिए?

लोगों को इस बात पर घमण्ड होना चाहिए कि वे यहोवा को जानते हैं।

यिर्मयाह 9:24

यहोवा कहते हैं कि वे किसके साथ काम करते हैं?

वह करुणा, न्याय और धार्मिकता के काम करते हैं।

यिर्मयाह 9:26

यहोवा अन्य लोगों को क्यों दंड देंगे?

वह उन्हें दंडित करेंगे क्योंकि उनके शरीर भी खतनारहित है।

यिर्मयाह 10:1–2

यहोवा इस्राएल के घराने से क्या नहीं चाहते?

वह नहीं चाहते कि वे अन्यजातियों की चाल सीखें।

यिर्मयाह 10:3

कौन सी रीतियाँ निकम्मी हैं?

मूर्तियाँ बनाना निकम्मी हैं।

यिर्मयाह 10:5

कौन सी रीतियाँ निकम्मी है?

मूर्तियाँ बनाना निकम्मी है।

यिर्मयाह 10:5 (#2)

लोगों को मूर्तियों से क्यों नहीं डरना चाहिए?

मूर्तियाँ न तो कोई भला कर सकती हैं और न ही कोई बुरा।

यिर्मयाह 10:6

यहोवा के समान कौन हो सकता है?

यहोवा के समान कोई नहीं है।

यिर्मयाह 10:11

उन देवताओं का क्या होगा जिन्होंने पृथ्वी को नहीं बनाया?

वे नष्ट हो जाएँगे।

यिर्मयाह 10:12

सच्चे परमेश्वर ने क्या किया है?

उन्होंने जगत को अपनी बुद्धि से स्थिर किया और आकाश को अपनी प्रवीणता से तान दिया है।

यिर्मयाह 10:14–15

मूरतों और सच्चे परमेश्वर में क्या अंतर है?

मूरतों में साँस ही नहीं है, लेकिन परमेश्वर ने सभी चीजें बनाई हैं।

यिर्मयाह 10:17

घेरे हुए नगर की रहनेवाले लोगों को क्या करना चाहिए?

उन्हें अपनी गठरी भूमि पर से उठाना चाहिए।

यिर्मयाह 10:20

भविष्यद्वक्ता के तम्बू को फैलाने के लिए अब कोई क्यों नहीं है?

उन्होंने उनके बच्चों को उनसे दूर कर दिया है।

यिर्मयाह 10:21

चरवाहे समझ से रहित क्यों हो गए हैं?

वे यहोवा को नहीं पुकारते।

यिर्मयाह 10:22

जब बड़ा हुल्लड़ आएगा तो क्या होगा?

यहूदा के शहर उजाड़ बन जाएंगे।

यिर्मयाह 10:24

भविष्यद्वक्ता यहोवा से उन्हें ताड़ना देने के लिए कैसे कहते हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें न्याय के साथ ताड़ना दें, क्रोध में आकर नहीं।

यिर्मयाह 10:25

भविष्यद्वक्ता यहोवा से किस पर अपनी जलजलाहट उण्डेलने के लिए प्रार्थना करते हैं?

वह यहोवा से उन जाति पर अपनी जलजलाहट उण्डेलने के लिए कहते हैं जो उन्हें नहीं जानते।

यिर्मयाह 10:25 (#2)

उन्हें यहोवा का जलजलाहट क्यों सहना चाहिए?

उन्हें यहोवा का जलजलाहट सहना पड़ेगा क्योंकि उन्होंने याकूब और याकूब के निवास-स्थान को उजाड़ दिया है।

यिर्मयाह 11:1

यहोवा ने यिर्मयाह से यह वाचा का यह वचन किसे सुनाने के लिए कहा था?

यहोवा ने कहा कि वे यहूदा के पुरुषों और यरूशलेम के रहनेवालों से यह घोषणा करें।

यिर्मयाह 11:3

लोगों को श्राप क्यों दिया जाएगा?

यदि वे वाचा के वचन को नहीं मानते, तो वे श्रापित है।

यिर्मयाह 11:4

यह वाचा किस से बाँधी गई थी?

वाचा इस्राएल के पुरखाओं से बाँधी गई थी।

यिर्मयाह 11:4 (#2)

वाचा कब दी गई थी?

यह वह दिन था जब यहोवा ने इस्राएलियों को मिस्र दे श में से बाहर निकाला था।

यिर्मयाह 11:5

परमेश्वर ने पितरों से कौन सी शपथ ली थी?

उन्होंने शपथ ली कि वे उन्हें दूध और मधु की धारा से बहने वाला देश प्रदान देंगे।

यिर्मयाह 11:7–8

परमेश्वर ने लोगों के विरुद्ध वाचा में सभी श्राप क्यों लाए?

वह उन्हें लाए क्योंकि लोगों ने वाचा को नहीं माना।

यिर्मयाह 11:10

यहूदा और यरूशलेम के लोगों के बीच क्या साजिश थी?

उन्होंने यहोवा का वचन सुनने से इन्कार कर दिया और दूसरे देवताओं के पीछे चलते रहे।

यिर्मयाह 11:11

जब यहोवा लोगों पर विपत्ति डालते हैं और वे उन्हें दुहाई देते हैं, तो वह उन्हें कैसे उत्तर देंगे?

वह उनकी बात नहीं सुनेंगे।

यिर्मयाह 11:13

यरूशलेम में बाल के लिए कितनी धूप वेदियाँ बनाई गईं?

लोगों ने हर एक सड़क में उस लज्जापूर्ण बाल की वेदियाँ बनाई।

यिर्मयाह 11:14

यहोवा यिर्मयाह को लोगों के लिए प्रार्थना करने का आदेश क्यों नहीं देते?

उन्होंने प्रार्थना नहीं की क्योंकि यहोवा ने उनकी नहीं सुनी।

यिर्मयाह 11:15

लोगों के बलिदान उनकी सहायता क्यों नहीं करेंगे?

बलिदान उनकी सहायता नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने कुकर्म किया है और फिर इसके बारे में प्रसन्न हुए हैं।

यिर्मयाह 11:17

लोगों ने कौन से बुराई किए हैं?

उन्होंने बाल के निमित्त धूप जलाया।

यिर्मयाह 11:20

यहोवा मनुष्य के किस अंग की परीक्षा लेते हैं?

वह हृदय और मन की परीक्षा करते हैं।

यिर्मयाह 11:21

अनातोत के लोग यिर्मयाह से क्या कह रहे थे कि यदि वह यहोवा के नाम से भविष्यद्वाणी करते रहेंगे तो वे क्या करेंगे?

उन्होंने कहा कि वे उसे अपने हाथों से मारेंगे।

यिर्मयाह 11:22

यहोवा ने कहा कि जो लोग यिर्मयाह को मारना चाहते थे, उनका क्या होगा?

उन्होंने कहा कि वे युद्ध और अकाल से उनके जवान को नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 12:1–2

यिर्मयाह की दुष्टों के बारे में क्या शिकायत है?

दुष्टों की चाल क्यों सफल होती है।

यिर्मयाह 12:3

यिर्मयाह यहोवा से लोगों के लिए क्या करवाना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि यहोवा लोगों को दूर ले जाएं।

यिर्मयाह 12:4

मैदान की घास क्यों सूख जाते हैं?

मैदान की घास निवासियों की बुराई के कारण सूख जाते हैं।

यिर्मयाह 12:6

यिर्मयाह के प्रति विश्वासघात किया है?

यिर्मयाह के भाइयों और उनके घराने के लोगों ने उनके प्रति विश्वासघात किया है।

यिर्मयाह 12:7

परमेश्वर अपने लोगों से बैर क्यों करते हैं?

उन्होंने उनके विरुद्ध स्वयं को खड़ा कर लिया है।

यिर्मयाह 12:10–11

चरवाहों ने मनोहर भाग के खेत के साथ क्या किया है?

उन्होंने इसको सुनसान जंगल बना दिया है।

यिर्मयाह 12:12

पृथ्वी पर मनुष्य को शान्ति कहाँ मिलती है?

पृथ्वी पर मनुष्य को शान्ति नहीं मिलती।

यिर्मयाह 12:13

श्रमिकों को अपने लाभ पर लज्जित क्यों होना चाहिए?

उन्हें यहोवा के क्रोध के भड़कने के कारण अपने खेतों की उपज के विषय में लज्जित होना चाहिए।

यिर्मयाह 12:15

जब यहोवा यहूदा के घराने पर अनुग्रह करेंगे, तब क्या होगा?

यहोवा उन्हें उनकी भूमि में फिर से लगाएंगे।

यिर्मयाह 12:16

उन जाति से यहोवा का क्या वादा है जो "यहोवा के जीवन की सौगन्ध" खाने लगें हैं?

यहोवा के प्रजा के बीच उनका वंश बढ़ेगा।

यिर्मयाह 12:17

यदि वे जाति नहीं मानते हैं तो क्या होगा?

यहोवा उन्हें उखाड़ फेंकेंगे।

यिर्मयाह 13:1–4

यहोवा यिर्मयाह से सनी की एक कमरबन्द के साथ क्या करने के लिए कहते हैं?

वह यिर्मयाह से कहते हैं कि वह सनी की एक कमरबन्द मोल लेकर, उसे फरात के तट पर ले जाकर छिपा दे।

यिर्मयाह 13:7

जब यिर्मयाह ने उस स्थान से कमरबन्द को निकाला, जहाँ उन्होंने उसे छुपाया था, तो उसकी गुणवत्ता कैसी थी?

वह बिगड़ गई थी।

यिर्मयाह 13:10

दुष्ट लोग कमरबन्द के समान कैसे होते हैं?

वे किसी काम के नहीं हैं क्योंकि वे यहोवा के वचन सुनने से इन्कार करते हैं।

यिर्मयाह 13:11

यहोवा चाहते हैं कि उनके लोग कौन-कौन सी तीन चीजें उनके पास लाएं?

वह चाहते हैं कि वे उन्हें कीर्ति, स्तुति, और शोभा लाएं।

यिर्मयाह 13:14

यहोवा सभी लोगों को किससे अचेत करेंगे?

वह उन्हें मदिरा पिलाकर अचेत करेंगे।

यिर्मयाह 13:14 (#2)

यहोवा लोगों को मदिरा पिलाकर क्या करेंगे?

वह उन्हें नष्ट कर देंगे।

यिर्मयाह 13:16

यदि लोग परमेश्वर यहोवा की बड़ाई नहीं करेंगे तो क्या होगा?

वह अंधकार लाएंगे।

यिर्मयाह 13:18

राजा और राजमाता को स्वयं को नम्र क्यों करना चाहिए?

उनके मुकुट उतार लिए गए हैं।

यिर्मयाह 13:21

परमेश्वर लोगों के ऊपर किसे ठहराएंगे?

वे उन पर उन लोगों को प्रधान ठहराएंगे जिन्हें उन्होंने अपने मित्रों के रूप में शिक्षा दी है।

यिर्मयाह 13:22

लोगों के साथ बुरी चीजें क्यों होती हैं?

बुरी चीजें हो रही हैं क्योंकि लोगों ने बड़े अधर्म किए हैं।

यिर्मयाह 13:27

यहोवा उन घिनौने काम के बारे में क्या करेंगे जो लोगों ने गुप्त रूप से की हैं?

वह उन्हें सबको दिखाएंगे।

यिर्मयाह 14:3

जब छोटे लोग पानी की खोज करते हैं तो क्या होता है?

उन्हें पानी नहीं पाया।

यिर्मयाह 14:4-6

जब वर्षा नहीं होती है तो क्या होता है?

वहाँ भूमि में दरार पड़ गई हैं।

यिर्मयाह 14:8

यहोवा इस्राएल को कब बचाएंगे?

वह संकट के समय में इस्राएल को बचाएंगे।

यिर्मयाह 14:11

यहोवा यिर्मयाह से प्रजा के लिए क्या न करने के लिए कहते हैं?

यहोवा यिर्मयाह से कहते हैं कि प्रजा की भलाई के लिये प्रार्थना न करें।

यिर्मयाह 14:14

झूठे भविष्यद्वक्ताओं का झूठा दावा कहाँ से उत्पन्न होते हैं?

वे झूठे भविष्यद्वक्ताओं के मन से आते हैं।

यिर्मयाह 14:16

झूठे भविष्यद्वक्ताओं का क्या परिणाम होगा?

वे अकाल और तलवार के द्वारा मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 14:18

युद्ध में लोग कहाँ मारे जाएंगे?

वे मैदान में तलवार के कारण मारे जाएंगे।

यिर्मयाह 14:18 (#2)

लोग भूख से कहाँ मर सकते हैं?

वे नगर के भीतर भूख से मर जाएंगे।

यिर्मयाह 14:20

यिर्मयाह यहोवा के सामने पुरखाओं के अधर्म को कैसे मान लेते हैं?

उन्होंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया था।

यिर्मयाह 14:22

लोगों को यहोवा में आशा क्यों रखनी चाहिए?

यहोवा ने आकाश की रचना की है और वसंत की वर्षा प्रदान की है।

यिर्मयाह 15:1

यहोवा ने कहा कि वह क्या नहीं बदलेगा, चाहे मूसा या शमूएल लोगों के लिए प्रार्थना करें?

तो भी यहोवा का मन इन लोगों की ओर न फिरता।

यिर्मयाह 15:2

यहूदा और यरूशलेम के लोगों का भविष्य क्या होगा?

कुछ तलवार से मरनेवाले हैं, कुछ अकाल से मरनेवाले हैं, और कुछ जो बन्दी बननेवाले हैं, वे बँधुआई में चले जाएंगे।

यिर्मयाह 15:3

लोगों के साथ कौन-कौन सी चार प्रकार के विनाश होंगी?

कुछ तलवार से मारे जाएंगे, कुछ को कुत्ते फाड़ डालेंगे, कुछ को आकाश के पक्षी खा जाएंगे, और कुछ को मैदान के हिंसक जन्तु खा जाएंगे।

यिर्मयाह 15:5

यरूशलेम की कुशल कौन पूछेगा?

कोई भी यरूशलेम की कुशल नहीं पूछेगा।

यिर्मयाह 15:6

यहोवा यरूशलेम के लिए क्या करने से थक गए हैं?

वे यरूशलेम पर तरस खाते-खाते थक गए हैं।

यिर्मयाह 15:9

सात लड़कों की माता को किस बात से बेहाल और लज्जा होगा?

यहोवा शत्रुओं की तलवार से उनके बच्चों को मरवा देंगे।

यिर्मयाह 15:11

यहोवा यिर्मयाह के शत्रु को सहायता के लिए विनती करने पर कब मजबूर करेंगे?

वह उन्हें विपत्ति और कष्ट के समय मैं सहायता के लिए विनती करने पर मजबूर करेंगे।

यिर्मयाह 15:13

यहोवा लोगों की धन-सम्पत्ति उनके शत्रुओं को क्यों सौंपेंगे?

वे इसे सर्वत्र देश के पापों के कारण देंगे।

यिर्मयाह 15:16

यिर्मयाह ने यहोवा के वचनों का क्या किया?

उन्होंने उन्हें खा लिया।

यिर्मयाह 15:19

यिर्मयाह को पुनःस्थापित होने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें मन फिरना चाहिए।

यिर्मयाह 15:21

यहोवा किस प्रकार के लोगों से यिर्मयाह को छुड़ाएंगे?

वह उन्हें दुष्ट और उपद्रवी लोगों से बचाएंगे।

यिर्मयाह 16:2

यहोवा यिर्मयाह को क्या आज्ञा देते हैं?

यहोवा यिर्मयाह को आज्ञा देते हैं कि वे विवाह करके बेटे-बेटियाँ न जन्में।

यिर्मयाह 16:3-4

उस स्थान पर उत्पन्न होने वाले बच्चों का भविष्य क्या होगा?

वे सभी मरेंगे।

यिर्मयाह 16:4

उनके लोथों का क्या होगा?

उनके लोथें भूमि के ऊपर खाद के समान होंगे और आकाश के पक्षियों और मैदान के पशुओं का आहार होंगी।

यिर्मयाह 16:5–6

यहोवा यिर्मयाह को उन घरों में जाने से क्यों मना करते हैं जहाँ लोग शोक मना रहे हैं?

वह यिर्मयाह को आज्ञा देते हैं क्योंकि छोटे-बड़े सब मरेंगे, लेकिन कोई उनके लिए शोक नहीं करेगा।

यिर्मयाह 16:9

यहोवा यिर्मयाह को उन घरों में जाने का आज्ञा क्यों देते हैं जहाँ लोग आनन्द मना रहे हैं?

यहोवा उन्हें आज्ञा देते हैं क्योंकि वे आनन्द का अंत करने जा रहे हैं।

यिर्मयाह 16:10

जब यिर्मयाह लोगों को उनका संदेश सुनाएंगे, तो लोग क्या प्रश्न पूछेंगे?

लोग यिर्मयाह से पूछेंगे कि यहोवा ने उनके विरुद्ध सारी बड़ी विपत्ति क्यों कहा है।

यिर्मयाह 16:12

इन लोगों में या उनके पुरखाओं में कौन अधिक बुराई की थी?

ये लोग अपने पुरखाओं से भी अधिक बुराई करते थे।

यिर्मयाह 16:18

यहोवा इस्राएल की अशुद्धता और पाप का दुगना प्रतिफल क्यों देंगे?

वह इसे करेंगे क्योंकि उन्होंने अपनी घृणित वस्तुओं की लोथों से देश को अशुद्धता से भर दिया है।

यिर्मयाह 16:19

जब जाति-जाति यहोवा के पास आएंगे, तो वे अपने पुरखाओं के बारे में क्या कहेंगे?

वे कहेंगे कि उनके पुरखाओं ने झूठी, व्यर्थ और निष्फल वस्तुओं को अपनाते आए हैं।

यिर्मयाह 17:1

यहूदा का पाप कहाँ खुदा हुआ है?

यह उनके हृदयरूपी पटिया पर खुदा हुआ है।

यिर्मयाह 17:2

लोगों के अशेरा खंभे कहाँ स्थित होते हैं?

अशेरा के खंभे ऊँचे टीलों पर हरे पेड़ों के पास स्थित हैं।

यिर्मयाह 17:4

यहूदा को कहाँ सेवा करेगा?

यहूदा एक अनजाने देश में सेवा करेगा।

यिर्मयाह 17:5

यहोवा किसे श्रापित कहते हैं?

यहोवा कहते हैं कि वह पुरुष जो मनुष्य पर भरोसा रखता है, वह श्रापित है।

यिर्मयाह 17:9

मन कैसा होता है?

मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला होता है, उसमें असाध्य रोग लगा है; उसका भेद कौन समझ सकता है।

यिर्मयाह 17:13

जो यहोवा को छोड़ देंगे, उनके साथ क्या घटित होगा?

जो कोई यहोवा को छोड़ते हैं, वे लज्जित होंगे और भटक जाते हैं।

यिर्मयाह 17:16

यिर्मयाह किस काम से नहीं भागा?

यिर्मयाह यहोवा का अनुसरण करते हुए चरवाहे का काम नहीं छोड़ा।

यिर्मयाह 17:19

जब यिर्मयाह फाटक के पास खड़े थे, तो यहोवा उनसे क्या करने की इच्छा रखते थे?

वह चाहते थे कि यिर्मयाह लोगों से कहें कि वे यहोवा के वचन को सुनें।

यिर्मयाह 17:21

यहोवा क्या चाहते थे कि लोग करना बंद कर दें?

वह चाहते थे कि वे विश्राम के दिन बोझ उठाना बंद कर दें।

यिर्मयाह 17:25

यदि लोग सुनेंगे और विश्राम के दिन कोई बोझ नहीं उठाएंगे, तो नगर का क्या होगा?

यदि वे सुनेंगे और मानेंगे, तो यह नगर सर्वदा बसा रहेगा।

यिर्मयाह 17:27

यदि लोग नहीं सुनेंगे तो क्या होगा?

यदि लोग नहीं सुनते हैं, तो यहोवा यरूशलेम को आग लगा देंगे।

यिर्मयाह 18:2

यहोवा यिर्मयाह से कहाँ जाने के लिए कहते हैं ताकि वे उनसे अपना वचन सुन सकें?

यहोवा यिर्मयाह से कुम्हार के घर जाने के लिए कहते हैं।

यिर्मयाह 18:4

जब यिर्मयाह देख रहे थे, तब कुम्हार द्वारा गढ़ी गई मिट्टी का बर्तन का क्या हुआ?

यह उनके हाथ में बिगड़ गया था।

यिर्मयाह 18:8

यहोवा उस देश के साथ क्या करेंगे जो उनके वचन सुनने के बाद अपनी बुराई से फिर जाता है?

वह उस विपत्ति से पछताएंगे जिसे वह उन पर डालने को ठान रहे थे।

यिर्मयाह 18:10

यहोवा उस देश के साथ क्या करेंगे जो उनका वचन नहीं सुनता?

वे उनके लिए जो भलाई के बात उन्होंने कही थी, वह नहीं करेंगे।

यिर्मयाह 18:11

यहोवा यहूदा और यरूशलेम के लोगों के विरुद्ध विपत्ति क्यों लाएंगे?

वे बुरे काम कर रहे हैं।

यिर्मयाह 18:12

यिर्मयाह की चेतावनी के बाद यहूदा और यरूशलेम के लोग क्या करेंगे?

वे नहीं सुनेंगे और अपने बुरे मन के हठ पर बने रहेंगे।

यिर्मयाह 18:15

इस्राएल क्यों एक भयावह स्थान बन जाएगा?

इस्राएलियों ने यहोवा को भुला दिया है और निकम्मी मूर्तियों के लिये धूप जलाते हैं।

यिर्मयाह 18:16

जो कोई भी पास से चले, वह क्यों चकित होगा और सिर हिलाएगा?

वे ऐसा करेंगे क्योंकि यहोवा ने देश को एक उजाड़ स्थिति में कर दिया है।

यिर्मयाह 18:18

यिर्मयाह के विरुद्ध लोगों की युक्ति क्या है?

वे उन पर उनकी कोई बात पकड़कर उसको नाश करने की युक्ति बना रहे हैं और अब उनके कहे किसी भी बात पर ध्यान नहीं देंगे।

यिर्मयाह 18:20

यिर्मयाह यहोवा से किस बात को स्मरण रखने के लिए प्रार्थना करते हैं?

यिर्मयाह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि वह याद रखें कि यिर्मयाह ने लोगों की भलाई के लिए कैसे बातें की थीं।

यिर्मयाह 18:21

यिर्मयाह यहोवा से अपने शत्रुओं के साथ क्या करने के लिए प्रार्थना करते हैं?

वह यहोवा से प्रार्थना करते हैं कि उनके पुरुष मरी से मरें और उनके पाप को क्षमा न करे।

यिर्मयाह 19:1

यहोवा ने यिर्मयाह से क्या मोल लेने को कहा?

उन्होंने यिर्मयाह से कहा कि वे जाकर एक कुम्हार से मिट्टी की बनाई हुई एक सुराही मोल लें।

यिर्मयाह 19:3

यहोवा ने यिर्मयाह से कहा कि वह यहूदा के राजाओं और यरूशलेम के सब निवासियों पर क्या डालने वाले हैं?

यहोवा ने कहा कि वह उस स्थान पर विपत्ति डालने पर हैं, और उन पर सन्नाटा छा जाएगा।

यिर्मयाह 19:4

परमेश्वर यरूशलेम पर विपत्ति क्यों डाल रहे हैं?

वह विपत्ति इसलिए डाल रहे हैं क्योंकि लोगों ने परमेश्वर को त्याग दिया है और उनके स्थान को अपवित्र किया है, और दूसरे देवताओं के पास गए हैं, और स्थान को निर्दोषों के लहू से भर दिया है।

यिर्मयाह 19:5

लोगों ने बाल की पूजा के ऊँचे स्थानों को क्यों बनाए थे?

उन्होंने अपने बाल-बच्चों को बाल के लिये होम करने के लिए ऊँचे स्थानों को बनाए थे।

यिर्मयाह 19:6

हिन्नोमियों की तराई क्या कहलाएगा?

यह घात की तराई कहलाएगा।

यिर्मयाह 19:10

यिर्मयाह को मिट्टी की सुराही के साथ क्या करना चाहिए था?

उसे अपने संग गए मनुष्यों के सामने मिट्टी की सुराही तोड़नी थी।

यिर्मयाह 19:13

अशुद्ध लोग छतों पर क्या कर रहे थे?

अशुद्ध लोग छतों पर आकाश की सारी सेना के लिए धूप जला रहे थे और अन्य देवताओं के लिए तपावन दे रहे थे।

यिर्मयाह 19:14–15

यहोवा ने इस नगर और इसके सब गाँवों पर विपत्ति क्यों डाले?

यहोवा ने उन पर विपत्ति डाली क्योंकि उन्होंने अपनी हठ करके यहोवा के वचनों को सुनने से माना कर दिया।

यिर्मयाह 20:1–2

पशहूर ने यिर्मयाह को क्यों मारा और उसे काठ में क्यों डाला?

उन्होंने यिर्मयाह को मारा क्योंकि यिर्मयाह ने यहोवा के भवन के सामने ये वचन भविष्यद्वाणी के रूप में कहे थे।

यिर्मयाह 20:4

यहोवा बाबेल के राजा को क्या देंगे?

यहोवा उन्हें इस नगर के सारे धन को और इसमें की कमाई और सब अनमोल वस्तुओं को और यहूदा के राजाओं का जितना रखा हुआ धन देंगे।

यिर्मयाह 20:5

पशहूर और उनके घर के सभी निवासियों का क्या होगा?

वे बाबेल जाएंगे और वहीं मरेंगे।

यिर्मयाह 20:7–9

जब यिर्मयाह ने यहोवा के नाम की चर्चा और अधिक न करने की कोशिश की, तो क्या हुआ?

उनका वचन यिर्मयाह के हृदय में धधकती हुई आग की तरह बन गया, उनकी हड्डियों में जलन उत्पन्न हुई, और वे इसे रोक नहीं सके।

यिर्मयाह 20:8

यिर्मयाह ने कौन सा संदेश पुकारा और ललकारा?

उन्होंने पुकारा और ललकारा की, "उपद्रव और उत्पात हुआ, हाँ उत्पात।"

यिर्मयाह 20:10–11

जो लोग यिर्मयाह के ठोकर खाने की बाट जोहते हैं, उनके साथ क्या होगा?

वे ठोकर खाकर गिरेंगे, उन पर वे प्रबल न होंगे, और इसलिए उन्हें बहुत लज्जित होना पड़ेगा।

यिर्मयाह 20:12–13

यिर्मयाह क्यों कहते हैं कि गाओ और यहोवा की स्तुति करो?

हर किसी को यहोवा की स्तुति और गान करना चाहिए क्योंकि वे धर्मियों के परखनेवाले और हृदय और मन के ज्ञाता को देखते हैं, बदला लेते हैं, और दरिद्र जन के प्राण को बचाते हैं।

यिर्मयाह 20:14

यिर्मयाह वह दिन जिसमें वह उत्पन्न हुए उसके बारे में क्या कहते हैं?

वह उस दिन को श्रापित मानता है जिस दिन वह उत्पन्न हुए और वह चाहता है कि वह दिन धन्य न हो।

यिर्मयाह 21:1–2

पशहूर और सपन्याह ने यिर्मयाह से क्या पूछा था?

उन्होंने उनसे यहोवा से परामर्श करने के लिए कहा।

यिर्मयाह 21:1–2 (#2)

वे यिर्मयाह से यहोवा से परामर्श लेने की इच्छा क्यों रखते थे?

वे आशा कर रहे थे कि यहोवा उनके लिए कोई आश्चर्यकर्म करेंगे।

यिर्मयाह 21:3–5

यिर्मयाह ने सिदकिय्याह को क्या सन्देश दिया?

संदेश यह है कि यहोवा सिदकिय्याह के विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 21:6–7

यहोवा राजा सिदकिय्याह के विरुद्ध कैसे लड़ेंगे?

यहोवा मरी, तलवार और अकाल के माध्यम से राजा सिदकिय्याह के विरुद्ध लड़ेंगे।

यिर्मयाह 21:8–9

जो लोग प्राण बचाना चाहते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए था?

उन्हें नगर से बाहर जाकर कसदियों के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए था।

यिर्मयाह 21:8–10

जो लोग नगर में रहेंगे, उनके साथ क्या होगा?

वे मर जाएंगे।

यिर्मयाह 21:11–12

यहोवा यहूदा के राजा से क्या चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि राजा यहोवा के वचन को सुनें, न्याय चुकाए, और लुटे हुए को छुड़ाए।

यिर्मयाह 21:13–14

यहोवा किसके विरोध में हैं?

यहोवा उन लोगों के विरोध में हैं जो तराई और मैदान में निवास करते हैं।

यिर्मयाह 22:8–9

यहोवा ने इस महान नगर के साथ ये कार्य क्यों किए हैं?

उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि लोगों ने वाचा को तोड़कर अन्य देवताओं को दण्डवत् किया और उनकी उपासना भी की।

यिर्मयाह 22:10

जो लोग परदेश चले गए हैं, उनके लिए लोगों को क्यों विलाप करना चाहिए?

उन्हें विलाप करना चाहिए क्योंकि जो लोग परदेश चले गए हैं कभी वापस नहीं आएंगे और अपनी जन्म-भूमि फिर कभी देखने न पाएंगे।

यिर्मयाह 22:15–16

एक अच्छे राजा को क्या करना चाहिए?

उन्हें दीन और दरिद्र लोगों का न्याय करना चाहिए, धार्मिकता के काम करना चाहिए, और यहोवा का ज्ञान रखना चाहिए।

यिर्मयाह 22:17

लोग राजा यहोयाकीम के लिए विलाप क्यों नहीं करेंगे?

वे विलाप नहीं करेंगे क्योंकि वह चोरी करते हैं, निर्दोष की हत्या करते हैं, और लोगों पर उपद्रव करते हैं।

यिर्मयाह 22:19

वे यहोयाकीम को किस प्रकार से मिट्टी देंगे?

वे उसे उसी प्रकार मिट्टी देंगे जैसे गदहे को मिट्टी दी जाता है।

यिर्मयाह 22:21

जब से लोग युवावस्था के थे, उनकी क्या परंपरा रही है?

उन्होंने यहोवा की बात नहीं सुनी है।

यिर्मयाह 22:22

जब वे नहीं सुनेंगे तो उनके साथ क्या होगा?

उनके सब चरवाहे वायु से उड़ाए जाएँगे, और मित्र बँधुआई में चले जाएँगे, और वे लज्जित होंगे और उनका मुँह काला हो जाएगा।

यिर्मयाह 22:24–26

यहोयाकीन का क्या होगा?

यहोवा यहोयाकीन को बाबेल के राजा के हाथ में कर देंगे, और वह अपनी भूमि से दूर पराए देश में मर जाएगा।

यिर्मयाह 22:30

यहोवा यहोयाकीन के विषय में क्या कहते हैं?

यहोयाकीन की कोई वंश नहीं होगी और वह समृद्ध नहीं होंगे।

यिर्मयाह 23:1–2

यिर्मयाह के समय के चरवाहे भेड़-बकरियों के साथ क्या किया करते थे?

चरवाहे भेड़-बकरियों को नाश करते हैं, उन्हें तितर-बितर कर देते हैं, उन्हें जबरन निकाल देते हैं, और उनकी सुधि नहीं ली।

यिर्मयाह 23:3–4

यहोवा यह घोषणा करते हैं कि वे अपनी भेड़-बकरियों के लिए क्या करेंगे?

वह उन्हें इकट्ठा करेंगे, उन्हें चरने के लिए जगह देंगे, और उनके लिए अच्छे चरवाहे नियुक्त करेंगे।

यिर्मयाह 23:5–6

आने वाले दिनों में यहोवा क्या करेंगे?

वह एक धर्मी राजा को स्थापित करेंगे।

यिर्मयाह 23:7–8

लोग क्या कहेंगे कि यहोवा ने उनके लिए क्या किया है?

वे कहेंगे कि यहोवा ने उन्हें अन्य देशों से छुड़ा ले आया है ताकि वे अपने ही देश में बसे रहेंगे।

यिर्मयाह 23:9

यिर्मयाह का हृदय क्यों भीतर ही भीतर फटा जाता है?

उनका हृदय भीतर ही भीतर फटा जाता है क्योंकि यहोवा के वचन पवित्र हैं, लेकिन भविष्यद्वक्ता झूठे हैं और भूमि व्यभिचारियों से भरी हुई है।

यिर्मयाह 23:11–12

भविष्यद्वक्ताओं और याजकों का क्या होगा?

यहोवा उन्हें ढकेलकर गिरा देंगे और विपत्ति उनके खिलाफ आएगी।

यिर्मयाह 23:13–14

भविष्यद्वक्ताओं के अपराध क्या होते हैं?

उन्होंने बाल के नाम से भविष्यद्वाणी की, यहोवा के प्रजा इस्राएल को भटका दिया, व्यभिचार किया, लोगों को धोखा दिया, और कुकर्मियों को हियाव बँधाते हैं।

यिर्मयाह 44:2–3

यिर्मयाह क्यों कहते हैं कि यहोवा ने यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर विपत्ति लाई है?

यिर्मयाह कहते हैं कि लोग दूसरे देवताओं के लिये धूप जलाते थे और उनकी उपासना करते थे, इसलिए परमेश्वर ने नगरों पर विपत्ति लाई।